रोजगार सृजन के लिए काम करें जनप्रतिनिधि

जनप्रतिनिधि विकास के नाम पर वोट मांगते हैं, लेकिन चुनाव जीतने के बाद नजर भी नहीं आते। आज देश को युवा, शिक्षित, कर्मठ और जुझारू नेताओं की जरूरत है जोकि देश के विकास में सक्रिय भागीदारी निभा सकें। ये बातें हिन्दुस्तान की ओर से शुरू किए गए अभियान 'आओ राजनीति करें' के मंच पर कॉलेज के छात्रों ने कहीं। शालिनी देवरानी की रिपोर्ट-

10 युवा संवाद कार्यक्रम के दौरान इकट्ठा हुए

12 मुद्दों पर युवाओं ने अपनी राय दी

रखाव या बेरोजगारी भत्ता जैसी घोषणाएं देश को खोखला करती हैं। जरूरी है कि प्रतिनिधि युवाओं को सक्षम बनाने के लिए कौशल विकास की दिशा में जरूरी कदम उठाएं। जब युवा हुनरमंद होंगे तभी वे सक्षम बनेंगे। इसलिए उनमें छिपी प्रतिभा को निखारने के लिए कौशल विकास के संस्थानों पर जोर देना चाहिए। हिन्दुस्तान की ओर से चल रहे मतदाता जागरूकता अभियान के आठवें संवाद का आयोजन मंगलवार को हिन्दुस्तान कार्यालय में किया गया।

इसमें शहर के विभिन्न कॉलेजों से पहुंचे युवाओं ने भाग लिया और युवाओं से जोड़े मुद्दों पर राय रखी। युवाओं का कहना था कि बेरोजगारी देश की सबसे बड़ी समस्या है। आज स्नातक डिग्रीधारक युवा भी नौकरी पाने के लिए भटकते रहते हैं।

जरूरत है कि प्रतिनिधि इस बात को समझें और देश की विकास की राह में आगे ले जाने के लिए रोजगार के साधन उपलब्ध कराने की दिशा में काम करें। युवाओं के कौशल विकास के लिए योजनाएं बनेंगी तो वे खुद ही रोजगार पा सकेंगे।

फरीदाबाद हिन्दुस्तान कार्यालय में आओ राजनीति करें अभियान के तहत आयोजित संवाद में मंगलवार को चुनावी चर्चा करते छात्र। • हिन्दुस्तान

युवाओं को आगे आने का मौका मिले

छात्रों ने कहा कि राजनीति में पार्टियों को युवा उम्मीदवारों को मौका देना चाहिए। अगर युवा प्रतिनिधि आएंगे तो वे ज्यादा ऊर्जा के साथ बेहतरीन तरीके से काम कर सकेंगे। संजय मौर्य ने कहा कि राजनीति में उतरने वाले प्रत्याशियों के लिए भी इंटरव्यू प्रक्रिया होनी चाहिए। इसमें उम्र, शैक्षिक योग्यता और अपराधिक रिकॉर्ड आदि निर्धारित हो और इसकी सही जांच के बाद टिकट दी जाए। मुकुल शर्मा ने कहा कि राजनीति में परिवारवाद और जातिवाद खत्म होना चाहिए। सभी को राजनीति में मौका मिलना चाहिए और आम जनता और अनुभवी नेताओं का पैनल सही उम्मीदवार को चुने यह जरूरी है। वहीं इंद्रजीत ने कहा कि नेताओं को हवाई वादे करने के बजाय धरातल पर योजनाएं बनानी चाहिए। पार्टी में युवा शक्ति ज्यादा होगी तो ने नई सोच के साथ काम कर सकेंगे। आकांक्षा ने कहा कि उम्र और समाजसेवा चुनाव में उतरने के लिए मापदंड

आयोग दलों की खुली चर्चा कराए

युवाओं का कहना था कि सभी दलों के प्रतिनिधि चुनावी मैदान में झूठे वादे कर जनता को फुसलाने का काम करते हैं। चुनाव आयोग को मतदाताओं के बीच इनसे खुली चर्चा करानी चाहिए, जिससे मतदाता सही प्रत्याशी का चुनाव कर सकें। आदित्य मौर्य ने कहा कि चुनाव से पहले सभी पार्टियों के उम्मीदवारों के साथ खुली चर्चा होनी चाहिए ताकि प्रतिनिधि अपनी चुनावी घोषणा करें और इसके बाद जनता उनसे सवाल कर सके। इसके बाद तय करे कि किसे मत देना है। ज्योति पाल ने कहा कि शिक्षित और समझदार लोग ही सही प्रतिनिधि चुन सकते हैं। पार्टियों की तरफ से भी जनता को जागरूक करने के लिए प्रयास होने चाहिए। आकाश शर्मा ने कहा कि जनप्रतिनिधियों को हर साल अपनी ओर से किए गए कार्यों का ब्योरा लेकर जनता के बीच आना चाहिए। अजय ने कहा कि ईमानदार और

युवा बोले

शिक्षा देश के विकास की नींव है। नेताओं को सभी के लिए बेहतर शिक्षा मुहैया कराने को काम करना चाहिए। साथ ही युवाओं के कौशल विकास और रोजगार के लिए काम होगा। -आकाश शर्मा, अग्रवाल कॉलेज

पार्टियों को जनमत संग्रह के आधार पर प्रत्याशियों को मैदान में उतारना चाहिए। जनता के बीच जाकर उनसे जानना चाहिए कि वे किन मुद्दों पर काम चाहते है इसके बाद योजनाएं बननी चाहिए। -मुकुल कुमार डीएवी शताब्दी

भ्रष्टाचार देश की बड़ी समस्या बन चुकी है। चुनाव आयोग को चुनावी खर्च पर पूरी तरह रोक लगानी चाहिए। असभ्य भाषा शैली बोलने वालों को तत्काल निष्कासित करना चाहिए। -आदित्य मौर्य, नेहरू कॉलेज

जनप्रतिनिधि पद का सही इस्तेमाल कर चुनावी घोषणाओं को पूरा करने का काम करे तो देश की सूरत बदल जाएगी। अपराधिक रिकॉर्ड वाले नेताओं को टिकट नहीं मिलना चाहिए। -अजय, अग्रवाल कॉलेज

महिला सुरक्षा सभी पार्टियों का मुख्य मुद्दा होना चाहिए। लड़कियों को छेड़छाड़ का सामना करना पड़ता है। सख्त कानून बने और दोषियों को तुरत सजा मिले तो अपराध पर अंकुश लगेगा। -ज्योति पाल, नेहरू कॉलेज

सिर्फ चुनाव से पहले काम विकास कार्य कर जनता को लुभाने के बजाय प्रतिनिधियों को पूरे कार्यकाल में काम करना चाहिए। हर साल अपनी उपलब्धियों को बताना चाहिए। -संजय मौर्य, डीएवी शताब्दी

प्रतिनिधियों को चुनने के लिए जरूरी है कि जनता भी जागरूक बने। पार्टी ने पिछले चुनाव में क्या वादे किए थे और कितना काम हुआ है इसे देखकर ही सही मतदान करना चाहिए। -इंद्रजीत, नेहरू कॉलेज

देश में वर्तमान आरक्षण व्यवस्था में बदलाव की जरूरत है। जाति या धर्म के बजाय आर्थिक आधार पर आरक्षण मिलना चाहिए। योग्य युवाओं को आगे बढ़ने के अवसर नहीं मिल पाते है। -पुनीत, बीएस अनंगपुरिया

चुनाव से पहले प्रतिनिधियों को जनता से संवाद करना चाहिए। वे किन योजनाओं पर काम करेंगे इस बारे में बात रखनी चाहिए। जनता को भी रूबरू होने

शिक्षा और सुरक्षा दो अहम मुद्दे है। प्रतिनिधियों को महिला सुरक्षा के लिए काम करना चाहिए। ऐसा माहौल होना चाहिए कि लड़कियां बगैर किसी